पत्र सूचना शाखा
**(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)**
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

# मुख्यमंत्री से इसरो के अध्यक्ष एवं सचिव, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार डॉ0 वी0 नारायणन ने शिष्टाचार भेंट की

## राज्य के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों के माध्यम से विकास की नई सम्भावनाओं सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई

## मुख्यमंत्री ने राज्य में आकाशीय बिजली गिरने से हो रही जनहानि पर चिन्ता व्यक्त करते हुए इस सम्बन्ध उ0प्र0 के लिए पृथक उपग्रह विकसित किये जाने का सुझाव दिया

## प्रदेश में आपदा जनित जनहानि को रोकने में यह अत्याधुनिक तकनीक प्रभावी सिद्ध हो सकती

## इसरो के अध्यक्ष ने आश्वस्त किया कि वह इस विषय पर गम्भीरता से विचार कर शीघ्र ही इसका ठोस समाधान निकालने की दिशा में कार्य करेंगे

**लखनऊ : 07 जुलाई, 2025**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से आज यहां उनके सरकारी आवास पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एवं सचिव, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार डॉ0 वी0 नारायणन ने शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान राज्य के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों के माध्यम से विकास की नई सम्भावनाओं सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

इसरो के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री जी को रिमोट सेंसिंग क्षेत्र में अब तक हुई प्रगति और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौसम पूर्वानुमान, वन और हरित क्षेत्र की निगरानी, भूजल प्रोफाइल, मानचित्रण और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर पहले से ही व्यापक कार्य हो चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने राज्य में आकाशीय बिजली गिरने से हो रही जनहानि पर गहरी चिन्ता व्यक्त करते हुए सुझाव दिया कि उत्तर प्रदेश के लिए पृथक उपग्रह विकसित किया जाए, जो विशेष रूप से आकाशीय बिजली की पूर्व चेतावनी देने में सक्षम हो।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में राज्य में बिजली गिरने की घटनाओं में औसतन 300 लोगों की मृत्यु हुई है। ऐसे में प्रदेश में आपदा जनित जनहानि को रोकने में यह अत्याधुनिक तकनीक प्रभावी सिद्ध हो सकती है। मुख्यमंत्री जी के अनुरोध पर इसरो के अध्यक्ष ने आश्वस्त किया कि वह इस विषय पर गम्भीरता से विचार करेंगे और शीघ्र ही इसका ठोस समाधान निकालने की दिशा में कार्य करेंगे।

———————————